ओ३म्

BCM SCHOOL, CHANDIGARH ROAD, LUDHIANA

A Senior Secondary school of BCM Foundation
Affiliated to CBSE, New Delhi
Sec-32A, Chandigarh road, Ludhiana

www.bcmschools.org

Rotate in values, Ready for the future

1 April 2026

Campus Connect

ਸਫ਼ਲਤਾ

ਸਫ਼ਲਤਾ ਦਾ ਰਾਹ ਨਾ ਸੋਨੇ ਨਾਲ ਬਣਿਆ ਹੁੰਦਾ,

ਨਾ ਹੀ ਇਹ ਫੁੱਲਾਂ ਦੀ ਚਾਦਰ ਨਾਲ ਢੱਕਿਆ ਹੁੰਦਾ।

ਇਹ ਤਿਆਗ ਦੇ ਪੈਰਾਂ ਨਾਲ ਤੈਅ ਹੁੰਦਾ,

ਇਹ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਲਿਖਿਆ ਹੁੰਦਾ।

ਸੁਪਨੇ ਜਦੋਂ ਦਿਲ ਵਿੱਚ ਜਗਦੇ ਨੇ,

ਤਾਂ ਰਾਹ ਆਪਨੇ ਆਪ ਬਣਨ ਲੱਗਦੇ ਨੇ।

ਜਦੋਂ ਮਨ ਵਿਚ ਯਕੀਨ ਦਾ ਜਨਮ ਹੋ ਜਾਵੇ,

ਤਾਂ ਪੱਥਰ ਵੀ ਰਸਤੇ ਬਣਾ ਦਿੰਦੇ ਨੇ।

ਡਿੱਗਣਾ ਇੱਥੇ ਹਾਰ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ,

ਰੁਕ ਜਾਣਾ ਹੀ ਅਸਲੀ ਹਾਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਜੋ ਹਰ ਦਰਦ ਨੂੰ ਤਾਕਤ ਬਣਾ ਲਵੇ,

ਉਹੀ ਸਫਲਤਾ ਦਾ ਹੱਕਦਾਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਸਬਰ ਜਦੋਂ ਦਿਲ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਬਣ ਜਾਵੇ,

ਮਿਹਨਤ ਜਦੋਂ ਰੋਜ਼ ਦੀ ਨਮਾਜ਼ ਬਣ ਜਾਵੇ,

ਤਾਂ ਸਮਾਂ ਵੀ ਸਾਥ ਨਿਭਾਉਂਦਾ ਹੈ,

ਕਿਸਮਤ ਵੀ ਸਿਰ ਝੁਕਾਉਂਦੀ ਹੈ।

ਚੱਲਦੇ ਰਹੋ ਆਪਣੇ ਸੁਪਨਿਆਂ ਦੇ ਰਾਹ,

ਭਾਵੇਂ ਹਨੇਰਾ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹੋਵੇ ਹਰ ਵਾਰ।

ਸਫਲਤਾ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਮਿਲਦੀ ਹੈ,

ਜੋ ਲਿਖਦੇ ਨੇ ਆਪਣੀ ਕਹਾਣੀ ਖੁਦ ਇੱਕ ਵਾਰ, ਜੋ ਲਿਖਦੇ ਨੇ ਆਪਣੀ ਕਹਾਣੀ ਖੁਦ ਇੱਕ ਵਾਰ।

ਡਾ .ਅੰਜਲੀ ਛਾਬੜਾ
ਟੀ. ਜੀ. ਟੀ. ਪੰਜਾਬੀ

www.bcmschools.org

1 April 2026

Campus Connect

डिजिटल युग: क्या फीकी पड़ रही है किताबों की चमक?

"तकनीक हमें जानकारी देती है, लेकिन किताबें हमें समझ देती हैं।"

आज हम उस दौर में जी रहे हैं जहाँ जानकारी हमारी उंगलियों के पोरों पर है। एक क्लिक और दुनिया भर का ज्ञान स्क्रीन पर हाजिर! इंटरनेट और डिजिटल साधनों ने सूचनाओं का अंबार तो लगा दिया है, लेकिन क्या सूचना का अर्थ 'ज्ञान' है? इस चकाचौंध के बीच किताबों की अहमियत आज पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

गहराई बनाम सतही ज्ञान

डिजिटल दुनिया अक्सर हमें 'स्क्रॉल' करना सिखाती है, जबकि किताबें हमें 'ठहरना' सिखाती हैं। जहाँ इंटरनेट पर हम केवल मुख्य बिंदु पढ़कर आगे बढ़ जाते हैं, वहीं पुस्तकें हमें किसी विषय की गहराई में ले जाती हैं। यह हमें केवल तथ्य नहीं बतातीं, बल्कि सोचने और समझने की क्षमता विकसित करती हैं।

एकाग्रता और कल्पना का संगम:

आज के दौर में ध्यान केंद्रित करने की अवधि कम होती जा रही है। ऐसे में किताबें एक थेरेपी की तरह काम करती हैं:

एकाग्रता: घंटों तक एक पन्ने पर टिके रहना मानसिक अनुशासन सिखाता है।

कल्पना शक्ति: वीडियो सब कुछ दिखा देता है, लेकिन शब्द हमारे दिमाग में चित्र बनाते हैं। यही कल्पना शक्ति नवाचार को जन्म देती है।

शब्दों का खजाना: नियमित पठन से हमारी भाषा और शब्दावली समृद्ध होती है, जो हमारे व्यक्तित्व में आत्मविश्वास भरती है।

एक संतुलित मार्ग:

इसका अर्थ यह नहीं कि हम तकनीक का त्याग कर दें। तकनीक और पुस्तकें एक-दूसरे की पूरक हो सकती हैं। यदि विद्यार्थी डिजिटल साधनों का उपयोग त्वरित जानकारी के लिए करें और पुस्तकों का सहारा गहन अध्ययन के लिए लें, तो उनके ज्ञान और व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास निश्चित है।

अंत में यही सत्य है कि स्क्रीन की रोशनी आँखों को जानकारी दे सकती है, लेकिन पन्नों की खुशबू और अक्षरों का साथ ही रूह को सुकून और सही समझ देता है। डिजिटल युग में भी, एक अच्छी किताब सबसे अच्छी दोस्त है।

कमलजीत कौर
पी.जी.टी. हिंदी

Editor & Coordinator: Mr. Chetan Saluja

0161-2225133 BCM SCHOOL, CHD ROAD @bcm32a